कृषि वैज्ञानिकों ने दिया रबी 2022-23 के प्रयोगों के परिणामों का प्रस्तुतिकरण

फसल किस्मों की अनुशंसाओं के साथ जर्क बैठक का समापन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केंद्र में दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आंशिक सिंचित अति शुष्क पश्चिमी क्षेत्र के लिए उपयुक्त फसल किस्मों की अनुशंसाओं के साथ संपन्न हुई।

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. शीशराम यादव ने बताया कि अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने अपने रबी 2022-23 के प्रयोगों के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त निदेशक (कृषि विस्तार), डॉ. दाताराम, निदेशक भू- सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन, डॉ. नवरतन पंवार, बीकानेर एंव कृषि अनुसंधान केन्द्र, कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विभाग के 92 अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

इन किस्मों को पाया गया उपयुक्त

बैठक में उष्णता एवं सूखारोधी सरसों की दो किस्मों आरएच- 725, सीएस- 60, चने की जीएनजी- 469 तथा आरएसजी- 888 का अनुमोदन किया गया। ईसबगोल की एचआई -5 व निहारिका, गेहूं की राज- 4238, एचडी- 3226, डीबी डब्लू-303, जौ की आरडी- 2899 व आरडी- 2907, रिजका की आरएल -.88, बरसीम की बीबी-2 किस्मों को इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त पाया गया।

सुझाव के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें